Three days training programme on "Integrated Farming System"conducted successfully at ICAR-RCER Patna

Three days training programme on Integrated Farming System (IFS) was conducted at ICAR Research Complex for Eastern Region, Patna from 14^{th} – 16^{th} Feb 2023, was funded by ATMA Rohtas, Government of Bihar. In this training programme a total of 30 farmers from Rohtas district of Bihar participated. During this training, farmers were exposed to the various aspects ofthe integration oflivestock, fisheries, vegetables, pulses, and mushrooms under IFS. Farmers also received practical knowledge of different IFS models through field visits and demonstrations. Director ICAR-RCER Patna, Dr. Anup Das in his valedictory speech emphasized the importance of IFS to small and marginal farmers of Eastern India. Course director of the training programme, Dr. Sanjeev Kumar stressed upon delivery of the IFS model in the farmer's field to enhance the income, employment, nutritional security and livelihood improvement of small and marginal farmers of the Eastern region through IFS. During the programme,all the HoDs of different divisions, course coordinator Dr. Shivani, and co-course directors (Dr. Kumari Shubha, Dr. Abhishek Kumar Dubey, and Dr. Saurabh Kumar) were also present. This training programme successfully ended with a vote of thanks by Dr. Shivani.

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना बिहार में "समेकित कृषि प्रणाली" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना बिहार ने "समेकित कृषि प्रणाली" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 से 16 फरवरी 2023 तक आयोजित किया, जिसे आत्मा रोहतास, बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार के रोहतास जिले के विभिन्न प्रखण्डों से कुल 30 किसानों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण के दौरान, किसानों को समेकित कृषि प्रणाली में पशुधन, मत्स्य पालन, सब्जियों, दालों और मशरूम आदि घटकों के एकीकरण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। किसानों ने प्रक्षेत्र भ्रमण के माध्यम से विभिन्न समेकित कृषि प्रणाली प्रारूप का व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त किया। संस्थान के निदेशक डॉ. अनूप दास ने अपने समापन भाषण में पूर्वी भारत के छोटे और सीमांत किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली के महत्व पर जोर दिया और बताया कि समेकित कृषि प्रणाली पोषण सुरक्षा के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भी बनाए रखने के लिए आवश्यक है|

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ. संजीव कुमार ने समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से पूर्वी क्षेत्र के छोटे और सीमांत किसानों की आय, रोजगार, पोषण सुरक्षा और आजीविका में सुधार के लिए किसान के खेत में विभिन्न समेकित कृषि प्रणाली प्रारूप को अपनाने और अवशेषों के पुनः चक्रण पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संभागों के विभागाध्यक्ष, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. शिवानी एवं सह- समन्वयक (डॉ. कुमारी शुभा, डॉ. अभिषेक कुमार दूबे एवं डॉ. सौरभ कुमार) भी उपस्थित थे| यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. शिवानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।